राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2700

09 अगस्त, 2017 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड द्वारा वहन किया गया घाटा

2700. श्री वि. विजयसाई रेड्डीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि उत्पादन में 39 प्रतिशत तथा 5 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आर॰आई॰एन॰एल॰) ने गत वित्त वर्ष में 1421 करोड़ रुपए का घाटा वहन किया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और आर॰आई॰एन॰एल॰ के सकल कारोबार पर इस्पात के मूल्यों में कमी का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) आर॰आई॰एन॰एल॰ के विस्तार की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क): आरआईएनएल ने वर्ष 2014-15 की तुलना में वर्ष 2015-16 में बिक्री योग्य इस्पात की मात्रा में लगभग 39 प्रतिशत की वृद्धि की और कारोबार में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि की है। आरआईएनएल ने वर्ष 2015-16 में (-)1421 करोड़ रुपये का कर पश्चात् लाभ हासिल किया है।

(ख): हानि के मुख्य कारण मंद बाजार स्थिति और सस्ते आयात है जिससे स्वदेशी इस्पात कंपनियों को बिक्री और मालसूची स्तर को बनाए रखने के लिए लागत को कम करते हुए मूल्य नियंत्रण कार्यनीति अपनाने के लिए मजबूर कर दिया। इन बाह्य कारकों के कारण आरआईएनएल पर प्रभाव पड़ा जिससे बिक्री योग्य इस्पात और पिग आयरन प्रति टन, वित्त वर्ष 2014-15 के प्रचलित स्तर से लगभग 24 प्रतिशत और 29 प्रतिशत निवल बिक्री (एनएसआर) में कमी आई जिससे वर्ष 2015-16 में बिक्री कारोबार पर प्रभाव पड़ा।

(ग): आरआईएनएल ने अप्रैल 2015 में तरल इस्पात का 3 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से 6.3 एमटीपीए तक क्षमता विस्तार किया है। वर्तमान में आरआईएनएल विस्तारित यूनिटों से अधिकतम लाभ प्राप्त करने हेतु समेकन चरण में है।

*****